No. of Printed Pages : 8

MRDE–003

MASTER OF ARTS (RURAL DEVELOPMENT)

(MARD)

Term-End Examination

June, 2025

MRDE-003 : LAND REFORMS AND RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the* ***five*** *questions. All questions carry equal marks. Answer to question nos. 1 and 2 should not exceed* ***800*** *words each.*

---

1. Discuss the various agrarian movements in the colonial period. 20

Or

Describe various non-governmental efforts made in land reforms. 20

2. What do you mean by protests and movements ? Discuss the peasant and farmers movements in India. 20

Or

Elaborate the land reforms in Bangladesh. 20

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **400** words each :

   (a) Discuss the different approaches towards studying land reform. 10

   (b) Elaborate the consequences of land tenure systems on agrarian society. 10

   (c) Describe the movements and struggles towards land reform in the period 1757–1856. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **200** words each :

   (a) Briefly enumerate the problems related to land tenure system in pre-independent India. 5

   (b) Explain briefly the role of Indian National Movement in land reforms. 5

   (c) Mention important features of Land Reforms Act of Jammu and Kashmir. 5

   (d) Narrate the abolition of land intermediaries in India across states. 5

   (e) Distinguish between land revenue and other types of revenue. 5

   (f) State the role of Management Information System in land revenue administration. 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each :

   (a) Importance of land reform in rural development 4

(b) Land tenure systems in Medieval India 4

(c) Mahalwari 4

(d) Land Ceiling 4

(e) Ryotwari System 4

(f) Impact of tenancy reforms 4

(g) Features of Indian village community 4

(h) Panchayati Raj 4

MRDE–003

एम. ए. (ग्राम विकास)

(एम.ए.आर.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.आर.डी.ई.-003 : भूमि सुधार और ग्राम विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर (प्रत्येक) **800** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।*

---

1. औपनिवेशिक काल में विभिन्न कृषि आन्दोलनों पर चर्चा कीजिए। 20

अथवा

भूमि सुधार में किये गये विभिन्न गैर-सरकारी प्रयासों का वर्णन कीजिए। 20

2. विरोध प्रदर्शनों और आन्दोलनों से आप क्या समझते हैं ? भारत में किसान एवं कृषक आन्दोलनों पर चर्चा कीजिए। 20

अथवा

बांग्लादेश में भूमि सुधारों पर विस्तार से चर्चा कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **400** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) भूमि सुधारों के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोणों पर चर्चा कीजिए। 10

(ख) कृषक समाज पर भू-स्वामित्व प्रणाली के परिणामों को विस्तार से बताइए। 10

(ग) 1757-1856 की अवधि में भूमि सुधार के लिए हुए आन्दोलनों और संघर्षों का वर्णन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) स्वतंत्रता से पूर्व भारत में भू-स्वामित्व प्रणाली से संबंधित समस्याओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 5

(ख) भूमि सुधारों में भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन की भूमिका को संक्षेप में समझाइए। 5

(ग) जम्मू और कश्मीर के भूमि सुधार अधिनियम की महत्वपूर्ण विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 5

(घ) भारत में विभिन्न राज्यों में भूमि बिचौलियों के उन्मूलन का वर्णन कीजिए। 5

(ङ) भू-राजस्व और अन्य प्रकार के राजस्व के बीच अन्तर बताइए। 5

(च) भू-राजस्व प्रशासन में प्रबंधन सूचना प्रणाली की भूमिका बताइए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए :

(क) ग्रामीण विकास में भूमि सुधार का महत्व 4

(ख) मध्यकालीन भारत में भूमि स्वामित्व प्रणाली 4

(ग) महालवाड़ी 4

(घ) भूमि की अधिकतम सीमा 4

(ङ) रैयतवाड़ी प्रणाली 4

(च) किरायेदारी सुधारों का प्रभाव 4

(छ) भारतीय ग्राम समुदाय की विशेषताएँ 4

(ज) पंचायती राज 4

× × × × ×